दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

एपीजे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग टैक्नीकल कैंपस, रामा मंडी में कार्यशाला का आयोजन

सत्र के बाद साइंस सिटी के विभिन्न खंडों का दौरा किया, जहां छात्रों को अंतरिक्ष थिएटर, डिजीटल तारामंडल और डायनासोर पार्क आदि का पता लगाने का मौका मिला

सवेरा न्यूज/कुश

जालंधर, 21 सितंबर : एपीजे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग टैक्नीकल कैंपस, रामा मंडी के कार्पोरेट रिलेशंस सैल ने भारतीय उद्योग परिसंघ सी.आई.आई. के सहयोग से 5-एस पद्धति-प्रभावी संगठन के साथ दक्षता में सुधार पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का स्थान पुष्पा गुजराल साइंस सिटी, कपूरथला था। यह सत्र छात्रों को काइज़न 5-एस फ्रेमवर्क को समझाने और उससे परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। काइज़न एक जापानी प्रबंधन दर्शन है जो निरंतर सुधार पर जोर देता है, जबकि 5-एस कार्यस्थल संगठन और दक्षता के उद्देश्य से सिद्धांतों का एक समूह है। सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति सोनू बंसल थे, जो एस.एम.ई. के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए सी.आई.आई. सैंटर ऑफ एक्सीलैंस के एसोसिएट काऊंसलर थे।

कार्यशाला में विद्यार्थियों के साथ शामिल संस्थान के निदेशक डा. राजेश बग्गा। (गुरवीर)

बंसल ने बताया कि काइज़ेन 5-एस को उनके कार्यस्थल पर कैसे लागू किया जाता है। छात्रों को 5 सिद्धांतों में से प्रत्येक को समझने का अवसर मिला जो किसी संगठन के निरंतर सुधार में सहायक होते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि काइजेन 5 में शामिल हैं : सेइरी (सॉर्ट) दिखाता है कि एक कुशल और अव्यवस्था मुक्त वातावरण बनाने के लिए अनावश्यक वस्तुओं की पहचान कैसे की जाती है और कार्यक्षेत्र से हटा दी जाती है। दूसरा एस, सैशन (क्रम में सैट) बताता है कि आसान पहुंच और दक्षता के लिए उपकरण, उपकरण और सामग्री कैसे व्यविस्थत की जाती है, और यह संगठन निरंतर सुधार में कैसे योगदान देता है। उन्होंने कहा कि तीसरा एस-सीसो (शाइन) सफाई और रख-रखाव प्रथाओं और सुरक्षा और गुणवत्ता सुधार में उनकी भूमिका पर चर्चा करता है। चौथा एस-सीकेत्सु (मानकीकरण) दिखाता है कि निरंतरता और निरंतर सुधार सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाओं और मानक कार्य प्रथाओं को कैसे स्थापित और बनाए रखा जाता है। पांचवां एस-शित्सुके (सस्टेन) बताता है कि कैसे संगठन प्रशिक्षण, ऑडिट और कर्मचारी जुड़ाव के माध्यम से समय के साथ काइज़न 5एस की निरंतर सफलता सुनिश्चित करता है। सत्र के बाद साइंस सिटी के विभिन्न खंडों का दौरा किया गया, जहां छात्रों को अंतरिक्ष थिएटर, लेजर थिएटर, 3-डी थिएटर, डिजीटल तारामंडल और डायनासोर पार्क आदि का पता लगाने का मौका मिला।

छात्रों ने विकास, पक्षियों और जलवायु परिवर्तन थिएटर पर दीर्घाओं का भी दौरा किया। टैक्नोलॉजी टॉवर ने छात्रों को हमारी भलाई पर डिजटल जीवन के प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान की, जिसमें बताया गया कि लोग समस्याओं को हल करने, अपने जीवन को बढ़ाने और अपनी उत्पादकता में सुधार करने के लिए डिजीटल उपकरणों का उपयोग कैसे करते हैं। छात्रों को अंतरिक्ष और विमानन गैलरी में उपग्रहों के मॉडल और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विभिन्न अनुप्रयोगों को देखने का मौका मिला।

गैलरी के एक हिस्से में छात्रों को अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन की एक झलक दिखाई गई। संस्थान के निदेशक डा. राजेश बग्गा ने इस यात्रा के आयोजन में कार्पोरेट रिलेशन सैल के प्रयासों की सराहना की। डा. बग्गा ने भविष्य के पेशेवरों के लिए इस तरह के सूचनात्मक सत्र आयोजित करने में एस.एम.ई. के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए सी.आई.आई. उत्कृष्टता केंद्र के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने काइजन दर्शन और अभ्यास को लागू करने के लिए संकाय और प्रशासनिक कर्मचारियों को निर्देशित किया ताकि एक कुशल कार्यस्थल के लिए छोटे, वृद्धिशील सुधार करने के तरीकों की तलाश की जा सके।